B.A. 1st Semester (General) Examination, 2017 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : CC-I / GE-I

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. Instructions for GE-I (Honours student of other discipline)

अधोलिखितेषु *दशप्र*श्नानामुत्तरं संस्कृतभाषया देवनागरीलिपिमाश्रित्य प्रदेयम्। तत्र 'क' विभागतः प्रश्न*त्रयम्*, 'ख' विभागतः प्रश्न*त्रयम्*, 'ग' विभागतश्च प्रश्न*त्रयम्* अवश्यमेव चयनीयम्।

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *দশটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী হরফে লিখতে হবে। তার মধ্যে 'ক' বিভাগ থেকে *তিনটি*, 'খ' বিভাগ থেকে *তিনটি* এবং 'গ' বিভাগ থেকে *তিনটি* প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই দিতে হবে।

Instructions for CC-I (General students)

अधोलिखितेषु *दश* प्रश्नानामुत्तरं प्रदेयम्। तत्र 'क' विभागतः प्रश्न*त्रयम्*, 'ख' विभागतः प्रश्न*त्रयम्*, 'ग' विभागतश्च प्रश्न*त्रयं* चयनीयम्। तेषु द्वयोः संस्कृतभाषया उत्तरमवश्यमेव लेखनीयम्।

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *দশটি* প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে। তার মধ্যে 'ক' বিভাগ থেকে *তিনটি*, 'খ' বিভাগ থেকে *তিনটি* এবং 'গ' বিভাগ থেকে *তিনটি* প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে। তাদের মধ্যে *দুটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় অবশ্যই লিখতে হবে।

2×10=20

'क' विभागः

'ক' বিভাগ

(a) रघुवंशमहाकाव्यस्य रचयिता कः? अत्र कति सर्गाः सन्ति?
রঘুবংশ মহাকাব্যের রচয়িতা কে? এই কাব্যে কয়টি সর্গ আছে?

(b) अयोध्यायाः दूतस्य नाम किम्? रामचन्द्रः तं किमपृच्छत्?
অযোধ্যার দূতের নাম কী? রামচন্দ্র তাকে কী জিজ্ঞাসা করেছিলেন?

(c) वैदेहिबन्धोः हृदयं विदद्रे – कः वैदेहिबन्धुः? तस्य हृदयं कथं विदीर्णमभवत्?
বৈদেহি বন্ধু – কে? তার হৃদয় কেন বিদীর্ণ হয়েছিল?

(d) प्रियङ्करो मे प्रिय इत्यनन्दत् – इतिमत्वा का कदा आनन्दिता अभूत्?
প্রিয়ঙ্করো মে প্রিয় ইত্যনন্দত্ – এই বলে কে কখন আনন্দিত হয়েছিল?

(e) ततार सन्धामिव सत्यसन्धः – अत्र कः सत्यसन्धः? सन्धा शब्दस्य कोऽर्थः?
ততার সন্ধামিব সত্যসন্ধঃ – এখানে কে সত্যসন্ধ? 'সন্ধা' শব্দের অর্থ কী?

Please Turn Over

'ख' विभागः

'খ' বিভাগ

(a) ''किरातार्जुनीयम्'' महाकाव्यस्य प्रसिद्ध टीकाकारस्य तट्टीकायाश्च नाम लिख्यताम्।

''কিরাতার্জুনীয়ম্'' মহাকাব্য-এর বিখ্যাত টীকাকারের নাম ও তার টীকার নাম লেখো।

(b) ''किं सखा'' ''किं प्रभुः'' इति पदद्वयस्य अर्थो लिख्यताम्।

''কিং সখা'' ও ''কিং প্রভুঃ'' পদ দুটির অর্থ লেখো।

(c) निगूढतत्त्वं नयवर्त्म विद्विषाम् — अत्र नयवर्त्म पदेन किं बुध्यते?

निगूढतत्त्वं नयवर्त्म विद्विषाम् — এখানে 'নয়বর্ত্ম' পদে কী বোঝানো হয়েছে?

(d) 'अरिषड्वर्गः' कः?

'अरिषड्वर्ग' কী?

(e) तवाभिधानात् व्यथते नताननः — कस्तावत् नताननः? कथं वा स नताननः?

तवाभिधानात् व्यथते नताननः — এখানে কে নতানন? সে কেন নতানন হয়েছে?

'ग' विभागः

'গ' বিভাগ

(a) भट्टिकाव्यस्य प्रणेता कः? अस्य काव्यस्य अपरं नाम लिख्यताम्।

ভট্টিকাব্যের রচয়িতা কে? এই কাব্যের একটি অন্য নাম লেখো।

(b) अश्वघोषविरचितमहाकाव्यानां नामानि लिख्यन्ताम्।

অশ্বঘোষ বিরচিত মহাকাব্যগুলির নাম লেখো।

(c) अश्वघोषस्य समयकालः कः? अयं कस्य सभाकविरासीत्?

অশ্বঘোষের সময়কাল কী? সে কার সভাকবি ছিলেন?

(d) बृहत्त्रयी पदेन किं बुध्यते?

বৃহত্ত্রয়ী – পদের দ্বারা কী বোঝো?

(e) ''नैषधचरितम्'' इति महाकाव्ये ''नैषध'' कः? काव्येऽस्मिन् मुख्यरसत्वेन किं सन्निविष्टः?

''নৈষধচরিতম্'' – এই মহাকাব্যে ''নৈষধ'' কে? এই কাব্যের প্রধান রসটি কী?

2. अधोलिखितेषु विभागत्रयेषु न्यूनातिन्यूनं प्रश्नमेकमाश्रित्य *चतुर्णां* प्रश्नानाम् उत्तरं प्रदेयम्। तेषु *प्रश्नद्वयम्* अवश्यमेव संस्कृतभाषया लेखनीयम्।

অধোলিখিত তিনটি বিভাগ হতে কমপক্ষে *একটি* করে প্রশ্ন নিয়ে *চারটি* প্রশ্নের উত্তর দাও। তন্মধ্যে *দুইটি* প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।

'क' विभागः

'ক' বিভাগ

मातृभाषया अनुवादः कार्यः।

মাতৃভাষায় অনুবাদ করো।

(a) स लक्ष्मणं लक्ष्मण पूर्वजन्मा,
विलोक्य लोकत्रयगीत कीर्तिः।
सौम्येति चाभाष्य यथार्थभाषी,
स्थितं निदेशे पृथगादिदेश।। 5

अथवा,

ततोऽभिषङ्गानिलविप्रबिद्धा,
प्रभ्रश्यमानाभरणप्रसूना।
स्वमूर्तिलाभप्रकृतिं धरित्रीं,
लतेव सीता सहसा जगाम।।

(b) तथापि जिह्मः स भवज्जिगीषया,
तनोति शुभ्रं गुण सम्पदा यशः।
समुन्नयन् भूतिमनार्यसङ्गमाद्–
वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः।। 5

अथवा,

निरत्ययं साम न दान वर्जितं,
न भूरिदानं विरहय्य सत्क्रियाम्।
प्रवर्तते तस्य विशेषशालिनी,
गुणानुरोधेन विना न सत्क्रिया।।

'ख' विभागः

'খ' বিভাগ

सरलसंस्कृतेन सप्रसङ्गं व्याख्या कार्या। 5×1=5

সরল সংস্কৃতে প্রসঙ্গ নির্দেশপূর্বক ব্যাখ্যা করো।

(a) अवैमि चैनामनघेति किन्तु,
लोकापवादो बलवान् मतो मे।
छाया हि भूमेः शशिनो मलत्वे–
नारोपिता शुद्धिमतः प्रजाभिः।।

अथवा,

कृतप्रणामस्य महीं महीभुजे,
जितां सपत्नेन निवेदयिष्यतः।
न विव्यथे तस्य मनो न हि प्रियं,
प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिणः।।

(b) संस्कृतेन भावसम्प्रसारणं विधेयम् : 5

সংস্কৃত ভাষায় ভাবসম্প্রসারণ করো ঃ

यशोधनानां यशोगरीयः

अथवा,

हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः

'ग' विभागः

'গ' বিভাগ

(a) टीका लेख्या। 5

টীকা লেখো।

शिशुपालवधम्

(b) कुमारसम्भवस्य आख्यानभागः संक्षेपेण विव्रियताम्। 5

কুমারসম্ভবের আখ্যানভাগ সংক্ষেপে বিবৃত করো।

3. अधोलिखितेषु प्रश्नद्वयस्य उत्तरं दीयताम्। 10×2=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যেকোনো *দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও।

(a) सीतापरित्यागे अवरजान् उद्दिश्य रामचन्द्रस्य वक्तव्यं स्वभाषया प्रतिपाद्यताम्।

সীতাপরিত্যাগ বিষয়ে ভ্রাতাদের উদ্দেশ্যে কথিত রামচন্দ্রের উক্তিগুলি নিজ ভাষায় লেখো।

(b) पाठ्यांशमनुसृत्य दुर्योधनस्य राज्यशासनपद्धतिः सम्यगालोच्यताम्।

পাঠ্যাংশ অনুসরণে দুর্যোধনের রাজ্যশাসন পদ্ধতি সম্যক্ আলোচনা করো।

(c) कालिदासविरचितदृश्यकाव्यानां परिचयः प्रदीयताम्।

কালিদাস বিরচিত দৃশ্য কাব্যগুলির পরিচয় দাও।

(d) नारिकेलफलसम्मितं वचो भारवेः — इत्युक्तेः याथार्थ्यं यथाग्रन्थं निरूप्यताम्।

নারিকেলফলসম্মিতং বচো ভারবেঃ — মন্তব্যের যথার্থতা নিরূপণ করো।

———